होली पर्व पर अपील

वर्ष 2017

होली का पर्व भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व रखता है। इस अवसर पर होलिका दहन के लिये गांव–शहरों में विभिन्न स्थानों पर विशेष आयोजन होता है। होलिका दहन के लिये लकड़ी का उपयोग होता है। समय की आवश्यकता है कि इसे प्रतीक स्वरूप में मनाया जाये। इसी प्रकार लकड़ी के उपयोग को सीमित करते हुए वनों का संरक्षण तथा विकास किया जाए। यह आप सभी के सहयोग से ही संभव है। त्योहार के अति उत्साह में कहीं–कहीं हरे–भरे पेड़ों को नुकसान पहुंचाया जाता है, जो कि उचित नहीं है।

मुझे विश्वास है कि इस पर्व को शालीनता तथा भाईचारे के वातावरण से मनाने की दिश में आपका सहयोग मिलेगा। मेरी जन सामान्य से अपील है कि होलिका दहन के लिये कम से कम लकड़ी का उपयोग करें एवं हरे–भरे वृक्षों को नुकसान न पहुंचाये। आप सभी महानुभावों का सहयोग इसके लिए प्राप्त होगा।

होली पर्व पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

(डॉ. गौरीशंकर शेजवार)
मंत्री, वन, योजना, आर्थिक
एवं सांख्यिकी
मध्यप्रदेश शासन

(3)

होली पर्व पर अपील
वर्ष 2017

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष हम होली का पर्व मनाने जा रहे हैं। इस अवसर पर होलिका दहन के लिये लकड़ी का उपयोग किया जाता है। इसके लिए अति उत्साह में कहीं–कहीं हरे पेड़ों को भी नुकसान प्रहुंचाया जाता है।

हरे आवरण ने पर्यावरण को प्रभावित किया है। वनोपज की मांग और आपूर्ति के बीच बढ़ते अंतर ने इस समस्या को जटिल बना दिया है। समय की आवश्यकता है कि लकड़ी के उपयोग को सीमित करते हुए वनों का संरक्षण तथा विकास किया जाए। यह आप सभी के सहयोग से ही संभव है। होलिका दहन में कम से कम लकड़ी का उपयोग करें।

मेरी जन सामान्य से यह अपील है कि होली मिल जुल कर सौहार्दपूण एवं आनंदमय वातावरण में मनायें एवं लकड़ी का उपयोग कम से कम करते हुये इसे मात्र कृषि अवशेषों तथा अनुपयोगी लकड़ी के उपयोग तक सीमित करें।

होली पर्व पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

(सूर्यप्रकाश मीना)
राज्य मंत्री उद्यानिकी तथा खाद्य
प्रसंस्करण (स्वतंत्र प्रभार), वन
मध्य प्रदेश शासन